



3. काजाण्डा लखर-पन्ना लखरि पन्ना कोनिय विमर्ष
 बरधनार से पढ़ा है। शहरो मे कि दफ्तरी
 सार्वजनिक लखरि 50 के लखरि लखरि लख-
 रिपन्ना के लखरि लखरि 8688 लखरि 50
 के लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि
 की लखरि मिली है।

लखरि
 अन्तर्गत
 6.8.20.

उत्तर	दक्षिण	पूरुब	पश्चिम
अन्तर्गत लखरि	अन्तर्गत लखरि	अन्तर्गत लखरि	अन्तर्गत लखरि
	का लखरि	का लखरि	का लखरि

लखरि

दक्षिण लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि
 लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि
 लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि
 लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि

लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि
 लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि
 लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि
 लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि लखरि

6.8.70
 20.8.70
 20.8.70

४ पुष्प लक्ष्मी १ पुष्प निबंधन कर्मलक्ष्मी के माध्यम ६२१
 मोहन आलमगीर वल्ल एगो अनाव बिहारीगुल मलय
 निचो निवासी बिकरहा सुर्द पाठा नगरी जिला गोरपुर
 से कप किया था। एरोधारी की निचो से बालूरी मय
 लक्ष्मी लोचनारी के माध्यम माध्यम से २११६ ५००
 स्विचर पाठा का रखा है जो है। इनके पहले यह सलाह
 यमुना प्रसाद सिंह मल्ल एगो राजपूत निचो बोरहा
 से आलम आलमगीर के एरोधारी का दिनांक १७/११/६२ ६४
 एमिका नं. ६५२० यमुना निबंधन कर्मलक्ष्मी से एरोधारी निचो
 सरकारी डिमांड रजिस्टर जो रशिद में लोचनारी
 का मांगी है जिला रशिद का अमावसी ई ३४८
 नं. ११११ जो रशिद का सिलसिलेवार नं. ०३४४४० है।
 इन प्रकार लोचनारी ललाके लाल पंढार अमावसी को
 दिया करके ललाके ललाके ललाके ललाके ललाके
 बिना आप का उपयोग कर उपयोग करके पले भारी
 है जो है। इन प्रकार लोचनारी को ललाके ललाके
 बिना एक जो अमावसी को करपल कलजा का
 प्रमारा प्रमारीत है।

लोचनारी को अमावसी अमावसी मज्जात पुराना
 मज्जात की दो मज्जात अमावसी है एरोधारी ई २ जो

2. निम्न जो 203 इलाक़ों को भी उनके मजदूरी को भी
 उनके विचार लम्बर का लम्बर कदाच नो वेचना करेंगे
 के लिए धन भी कोय रप नो। ई और रप नो
 लम्बर. 2 को पार्षित लम्बर को सिद्धी गरी करेंगे ई
 लम्बर लम्बरों का संबंध होगा प्राप्त। उचित है।
 और लम्बर. 2 को लम्बर है लम्बर पैसा भी
 आनंदनी गरी है। इलाक़ों में अपने परिवार के साथ जोश
 लम्बर करें लम्बर. 2 को लम्बर को सिद्धी करेंगे
 उचित अपने धर्म को रप लम्बर उचित लम्बर।

[illegible]

May into night

६. बिना २४ किंवा १०५५ के बोधा और विक्रय
 पत्र या निष्पादन हस्ताक्षर किया
 शरण के उल्लेख के तहत २०००.००
 (पाँच हजार) रुपये (लीजन्सरी) के कपल अंतर्गत
 हस्ताक्षर के अंतर्गत पाये हैं (इस रकम को
 इस शरण के माध्यम से भिजा कर दिया है।
 यदि पक्षों को १०/४.००/१०००० रुपये की
 (पौने दस लाख) रुपये (लीजन्सरी) के २५ विक्रय पत्र
 पर धन अर्पण की पत्र के रूप में प्रेषित
 अंतर्गत पाया/ इस प्रकार लीजन्सरी का उल्लेख
 (प्रकार) के तहत के अंतर्गत के प्रकार है।

१०/०३/२००५
 ६४८९

२०००.०२ २५ की वीरत अन्तर्गत के बिना
 भी आगत बिना एक के अधिकार को स्वतंत्र
 (लीजन्सरी) या अन्तर्गत के प्राप्ति का यह
 या बिना उल्लेख के ही अधिकार को स्वतंत्र
 को प्रमाण अन्तर्गत शरण के उल्लेख प्रती
 माना रूप में अन्तर्गत के प्रकार को प्राप्त
 को है जो है। प्रकार (अन्तर्गत) की अन्तर्गत
 के शरण अधिकारी को स्वतंत्र अन्तर्गत के है।

02.8.2
— vol^{ts} ⁶ max 25/5

[illegible][illegible]

2593 BIHAR

क्रमांक 555/1 म. म. 20/3

INDIA NON JUDICIAL

₹ 750

₹ 750

भारत

सात सौ पचास रुपया SEVEN HUNDRED & FIFTY RUPEES

Handwritten notes and calculations in Hindi, including dates like 1926 and 1927, and numbers like 315, 500, 8751, and 23037.

Vertical handwritten notes on the left margin, possibly a list or ledger entries.

श्री अजय कुमार मिश्र पिता का नाम श्री लीलाचन्द	अजय कुमार मिश्र मिशन वेस्टिपत जीयतारे खास दिनांक 21/9/20 ई पर का निवेदन को प्राप्त के माध्यम पिता का नाम वः 11/ जीत जानीय श्री मरि पिता का वकी के मोरहे मिपादी ज्ञान तिलका मांगी मारायूर वाता लहर मारायूर जिना मारायूर मरि मेचिल वाकरा दादा कुमि
मोसमात मुन्तादेनी जोजे स्वयं श्री रामधर मिहं	मिपादी नाम जो पता लहर जंगाने वाता वादिनाम जिला ओसाकर मरि अमिर साकरा धका वगे



क. 3 (जीवमय)	मिथिला विधान सभा (अध्यापक एवं अध्यक्षता) (Tribute to the State)
क. 4 प्रमाण	मिथिला विधान सभा (अध्यापक एवं अध्यक्षता) पं. 4995/1 - मिथिला विधान सभा (अध्यापक एवं अध्यक्षता) (Tribute to the State)
क. 5 प्रमाण	मिथिला विधान सभा (अध्यापक एवं अध्यक्षता) पं. 4995/1 - मिथिला विधान सभा (अध्यापक एवं अध्यक्षता) (Tribute to the State)

मिथिला विधान सभा (अध्यापक एवं अध्यक्षता)
पं. 4995/1 - मिथिला विधान सभा (अध्यापक एवं अध्यक्षता)
(Tribute to the State)



3. वज्रवीर्य विहार (ब्रह्मरूप) पदपुर लक्ष्मी कल्पवृक्ष
 कारो कल्पक काशीविष (ब्रह्म पद)। लक्ष्मी पद
 श्रीविष्णु विष्णु काशीविष में पदवाही काशीविष
 धर्मो काशीविष लक्ष्मीविष के काशीविष लक्ष्मी
 पदवाही कारो पदवाही लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष
 में पदवाही लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष
 लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष

उत्तर	दक्षिण	पूरव	पश्चिम
पदवाही लक्ष्मीविष	श्री शशीविष	लक्ष्मीविष	लक्ष्मीविष
लक्ष्मीविष	लक्ष्मीविष	लक्ष्मीविष	लक्ष्मीविष

सर्व

लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष
 लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष लक्ष्मीविष

[illegible]

५. कौ मुझी ले कता ले यदा री जमा,

रक्तमण्डप की लम्बाई में विनोद, अमर

विमान एव नो वायव्यमनो एव विमानम्

उत्तराखण्ड के जंगल या पर्वत या घाटी पर

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय

महाराष्ट्र सरकार, न. ३७, मुंबई, २२/१२/५२

आ विधि से संवेग प्रवाह को मापूँ उई लोई लो

2022 is planned for 2023

प्रमाणित करने के लिये जारी किया जाता है।

राज्य (समाचार) भाग (समाचार) समाचार

संस्कृत भाषा में लिखे गए हैं।

ਸਤਿਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਹਕੀਮੁ

अर्क स्पष्टतः अंग्रेजों के विरुद्ध था।

ਮੇਰੀ ਹੁਣ ਹੀ ਨਿਰਾਸ਼ ਹੋ ਗਈ

आमसुअर चरान बाबो-पुतान ३५

विष्णु पत्न के माध्यम से मिले सहायक। (उ)

केजपसुभा ठगल
गिनासारी पक्ष की कोई फिराव नहीं है

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

को पश्चात् को न दायि।

निर्माण (विशेष) के निर्माण (विशेष)

[illegible]

~~मिनामि २३ अ. ३४ अ. ३५ अ. ३६ अ. ३७ अ. ३८ अ. ३९ अ. ४० अ. ४१ अ. ४२ अ. ४३ अ. ४४ अ. ४५ अ. ४६ अ. ४७ अ. ४८ अ. ४९ अ. ५० अ. ५१ अ. ५२ अ. ५३ अ. ५४ अ. ५५ अ. ५६ अ. ५७ अ. ५८ अ. ५९ अ. ६० अ. ६१ अ. ६२ अ. ६३ अ. ६४ अ. ६५ अ. ६६ अ. ६७ अ. ६८ अ. ६९ अ. ७० अ. ७१ अ. ७२ अ. ७३ अ. ७४ अ. ७५ अ. ७६ अ. ७७ अ. ७८ अ. ७९ अ. ८० अ. ८१ अ. ८२ अ. ८३ अ. ८४ अ. ८५ अ. ८६ अ. ८७ अ. ८८ अ. ८९ अ. ९० अ. ९१ अ. ९२ अ. ९३ अ. ९४ अ. ९५ अ. ९६ अ. ९७ अ. ९८ अ. ९९ अ. १०० अ.~~



6. 18. 72. 2000 12. 12. 1972

27200 unanqu amni. 5774 5774 5774 5774 5774
in 5774 5774 5774 5774 5774



[Handwritten notes:]

For the ...
...
... 28/7/60 ...
... 10/3/64 ...
... 12/3/60 ...
[Signature]

[Handwritten numbers:]

3155
999
8112

Handwritten notes and signatures on a document, including the number 23027 and the word "North".

[illegible]

ग. १	निजमपुरी का नाम	उज्जय कुमार मिश्र मिश्र पिता का नाम श्री लीलामय मिश्र निवासी ग्राम बिलवा जांगली मगधपुर भागा लखर मगधपुर जिला मगधपुर दाल मगधपुर बोरिंग में बालक शो डपटमन जगदी वाधराय चौधरी - छवि
ग. २	निजमपुरी का नाम	मोहनराव धु. नांदेवी जीजे स्व. श्री रामचंद्रा सिंह निवासी ग्राम श्री पताराम कंगराही ग्राम दखिन मगधपुर जिला मगधपुर जगदी प्रमोदराय वाधराय चौधरी - छवि श्री सिंह



2.	07.3 लीज प्रचल	गिरिदास विष्णु पन्त (केदारनाथ) (मरुणाथ) (Absolute Sole Leas.)
07.4 बदल		मौखलीग 1119.00 / नय दजार नय हो (मरुणाथ) निमोन Rs 9991.00 / (Nine thousand Nine hundred Ninety one) only.
07.5 लगावे का समुपे विपण		हमारी नो नमानी कपली 52 (दो अश) हराजी प्रचलित काय हो हराजी दकिमत काशर रंजले कपली 4 लेगे नमदो लमन हमनी करधर लमन स्थानिय 545 दकिधा गनगपल्लव लित वल्लि मरुणा ककनपुरा प्रगना कजिमादय अनार समविध कुमकरी हाल अनार उरिणीकाय हय हो लमर रजिस्त्री नो जिला पन्ना गिस्मा नोजी लयन 266 (मरुणा हो लमर) नो अनार लयन 6 (सम) नो पाना लयन 302 (दो हो अन) नो पिपारा लयन 266 (पान हो)

02.3.9
May 1948
गो. 22/05/48
पाना 545 द. 1119.00
मौखलीग 1119.00
नय दजार नय हो (मरुणाथ) निमोन
Rs 9991.00 / (Nine thousand Nine hundred Ninety one) only.



देशी
अपना गुण देना
करना

3. (नवंबर) पुरे हिस्सा को काबिजे लगाने का 0-224
अलावे 214। पञ्जीनमारी विचार करना पड़ता है।
रेलवे कमलानिधिवर। नमस्तु कामलेश्वर पद-पदा
कामलेश्वर पदा कैलेश्वर विकास साधक पदका
हैं। शत्रो मरने दयानो साधक कामलेश्वर 0-224
के अलावे कामलेश्वर पदाधिकारी पदा केवल पदका
8642 का 9/2050 से पारित नमो गायत्री
कामलेश्वर हतानकरना करने की संगमति विना
है।

उत्तर	दक्षिण	पुत्र	पश्चिम
फोटो लगाना 266 के विचार करीम देवी	आमरि कुण्ड देवी	वर्णवाल सादक का गमना	आमरि विमला देवी

संदर्भ

हमिलत यह है कि इस विषय पत्र के (पृष्ठ ५)

श्री. वीरगोत तत्पति लीजकरी ने अपने नाम से अपनी

भूमि का यह क्षेत्र जमीनें नामिका विषय पत्र दिनांक २/११/६१

की नामिका लुगं ६० की जिल्ला लुगं २६ एवं लुगं

१५ से १८ पुस्तक लुगं १ परना निबंधन कार्यालय के

माध्यमों द्वारा माध्यम कार्यालयीर पेशर (मो) जगज पंडित

पुस्तक माध्यम किशों निमासी सिद्धरुहा खुद धाना नगरा

जिला मोकपुर हाल वीरगोत के नाम से ३ परना है। लीजकरी

की कृप किशों हैं। (परीकरी श्री विमि ने लुगं के नाम

तक लीजकरी के माध्यम माध्यम के माध्यम २ वर्ष

स्थित गला का रहा है जो है। लुगं के (पृष्ठ ५) श्री

वीरगोत तत्पति पुर्ण के (पृष्ठ ६) जगज पंडित पुर्ण के (पृष्ठ ५)

रक्त नामधारी के किशों के नाम से माध्यम कार्यालयी

के (परीकरी श्री विमि के ११/११/६१ श्री नामिका लुगं ६५२

परना निबंधन कार्यालय के माध्यमों धारित हैं। लुगं के

विमि के रजिस्ट्रार की रजिस्ट्रार के लीजकरी का नामधारी

के (जिल्ला रजिस्ट्रार का जगज पंडित के ११११ रजिस्ट्रार

का जिल्ला रजिस्ट्रार का ०३२२५० है। इस प्रकार लीजकरी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

जगज पंडित का नामधारी के नामधारी के नामधारी

22.8.07
22.8.07

6.8.20

कहिये नीलमारी वहसिये जगसि के घर
 जगसि मारी जो स्वामि को करपावत को होकर
 उधर जगती लन नन नगा होकरि नो नी स्वामि
 जगसि से जगसि ननु लन के नाम भवने
 कहिये नो स्वामि जगती लनादकारी से जगसि
 लन भवने निली के बावरी जगसि दवाव
 जो जगसि को वहनव लो जगसि नगा कइये

C. C. C.
 1899
 1899

रमै ०.५ को हलचल में लिखना भी अलग
'लिख' एक को आधे घण्टे में व्यापार को परमा
कला लीकनी या उबेर दिखाने को प्राप्

रामो ७-५ को हस्ताक्षर में लिखना भी अलग
लिखा। एक को अधिकांश को व्यापार को प्रमाण
का ठोस प्रमाण नहीं था। उबरा अधिकांश को प्रमाण

३: वा मा है मा हीरा वरुण कृष्ण प्रो साधक
 को व्यापक को करण कण्ठ को करण कण्ठ
 कर्ण प्रकृति प्रकृति साध की विधि है (प्रोवा
 २५०-२ को साध कृष्ण को है को हीरा। (प्रोवा
 २५०-५ की लक्ष्मि के करण कण्ठ कण्ठ को
 व्यापक को करण कण्ठ कण्ठ को करण को रक्षण
 कण्ठ कण्ठ को मा लक्ष्मि (प्रोवापणी) साधक करण
 कण्ठ लक्ष्मि के करण के लक्ष्मि कण्ठ
 कण्ठ कण्ठ लक्ष्मि को साधक कण्ठ कण्ठ
 कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ की साधक कण्ठ
 (प्रोवा कण्ठ कण्ठ ५० विष्णु कण्ठ के साधक
 कण्ठ कण्ठ कण्ठ। उसे कण्ठ लक्ष्मि कण्ठ
 की कण्ठ विष्णु को विष्णु मा लक्ष्मि कण्ठ है
 को कण्ठ कण्ठ।

लक्ष्मि: (विष्णु) के लक्ष्मि कण्ठ (विष्णु) के
 कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ
 कण्ठ कण्ठ (विष्णु की लक्ष्मि कण्ठ कण्ठ
 कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ
 कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ
 कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ कण्ठ

२५०-२
 २५०-५

BIHAR

750 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

750 रु.

750

भारत

सात सौ पचास रुपया

SEVEN HUNDRED & SIXTY RUPEES

[Handwritten notes and calculations in Hindi and English, including dates like 16/10/1914 and 13/10/1914, and a circled sum of 750.]

श्री हरिवंश नारायण शर्मा वल्लभ स्वामी लुप्त शर्मा	मिथली जिला के अन्तर्गत पटना-3 नामक कानूनमन्त्री जिला पटना बंदासिद्ध मीरपुर के आज मिन-जानीय भी शर्मा वल्लभ शर्मा के मोर के पावर नं. 66 का नं. 4 बरतन खंड के 22 ट फीटाले 29/9/1914 ई पटना निवासन कानूनमन्त्री का दंडा-पिठ...
श्री हरिवंश नारायण शर्मा वल्लभ स्वामी लुप्त शर्मा	मिथली जिला के अन्तर्गत पटना-3 नामक कानूनमन्त्री जिला पटना बंदासिद्ध मीरपुर के आज मिन-जानीय भी शर्मा वल्लभ शर्मा के मोर के पावर नं. 66 का नं. 4 बरतन खंड के 22 ट फीटाले 29/9/1914 ई पटना निवासन कानूनमन्त्री का दंडा-पिठ...

संज्ञा

சென்னை 1912

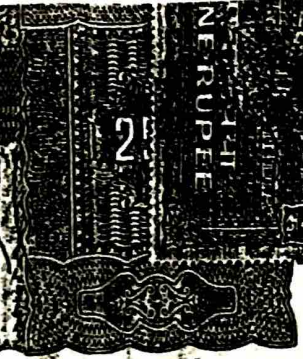
अभी २२ वें भाग का ३५ पृष्ठ ७५ पंक्ति
७५ पंक्ति २५

कलस्य लीकचारी यद्विहित कलसि के कलस्यो
 लीकचारी को ल्याके को कलस्य के होकर दो रश्मि
 खानी २० मर लया होने लियो भी लुफ्फायेश
 के मासिक तुरलंग के लाम कपने होने लियो
 एवं आ २१ लकाह चारी से ल्यागी लिकर धिया
 किमी के लारो कुरायेत दयाव दो प्रभाव दो वदस्य
 को कलस्य तला सवपका के लाम कर भी लक्यावि
 को लीकचारी को ल्यात उरकोवकी के लाम को
 ५००० (५००० लाम को पच्याली) सूर्या के
 कलस्य के वदले लीकचारी लिकर पल लिया को
 किमी को स्या रूप लिकर पल का निव्यादन
 प्रसार लीकचारी किमी

कलस्य के उल सूर्या के ले को २५००००
 (५००० लाम को पच्याली) सूर्या लीकचारी ने
 कलस्य लाम लामा लिकर लीकचारी के लुलपायिक
 है उमें सूर्या को कलस्य कलस्य के लोकरा को
 किमी मर किमी दो २५ लिकर को ५०००००
 (५००० लाम) सूर्या लीकचारी के ५० लिकर
 पलाम लपक लाम लीकचारी के लाम लीकचारी
 के लुलपायिक ५० प्रसार लीकचारी को कलस्य

2100

[illegible]



५२६

[Handwritten signature]

ATTESTED

[Handwritten signature]

NOTARY PUBLIC

[Handwritten signature]

